**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**
**13.02.2026 के**
**अतारांकित प्रश्न सं. 1706 का उत्तर**

**रेल पटरियों के नवीनीकरण संबंधी कार्य का आकलन**

**1706. श्री नरहरी अमीन:**
**श्री मिथलेश कुमार:**
**श्रीमती संगीता यादव:**
**श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई:**
**डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:**
**श्री बृज लाल:**
**श्री केसरीदेवसिंह झाला:**
**श्री बाबू राम निषाद:**
**श्री मनन कुमार मिश्र:**
**श्रीमती रमिलाबेन बेचारभाई बारा:**
**डा. भागवत कराड़:**
**श्री नारायण कोरागप्पा:**
**श्री मदन राठौड़:**
**श्री दीपक प्रकाश:**
**श्रीमती साधना सिंह:**
**श्री उज्जवल देवराव निकम:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) महाराष्ट्र सहित संपूर्ण रेल नेटवर्क में नवीनीकरण हेतु चिह्नित रेल पटरियों की कुल लंबाई किलोमीटर में कितनी है;
(ख) पिछले चार वर्षों और वर्ष 2025-26 सहित रेल पटरियों के नवीनीकरण हेतु वर्ष-वार क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;
(ग) महाराष्ट्र सहित संपूर्ण रेल नेटवर्क में उक्त अवधि के दौरान वास्तव में नवीनीकृत की गई रेल पटरियों की लबाई किलोमीटर में कितनी है; और
(घ) क्या कोई कार्य लंबित है, यदि हां, तो राजस्थान सहित तत्संबंधी ज़ोन-वार ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

(क) से (घ): रेलपथ का उन्नयन और नवीकरण निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है। पथ नवीकरण उम्र, यातायात, स्थिति आदि के आधार पर निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

रेलपथ नवीकरण निर्माण कार्य की रेलपथ की स्थिति और विभिन्न अन्य कारकों को प्राथमिकता देते हुए योजना बनाई जाती है और उन्हें निष्पादित किए जाते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेलपथ अनुमेय गति पर रेलगाड़ी परिचालन हेतु संरक्षित है।

वर्ष 2014-25 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान संपूर्ण रेल नेटवर्क पर किए गए रेलपथ नवीकरण कार्यों का विवरण निम्नानुसार है:

| | |
|---|---|
| नवीकृत रेलपथ | लगभग 53,000 कि.मी. |

उपरोक्त रेलपथ नवीकरण में महाराष्ट्र और राजस्थान में स्थित रेलपथ शामिल हैं।

रेलपथ नवीकरण के साथ-साथ निम्नलिखित उन्नयन उपाय किए गए हैं:

i. प्राथमिक रेलपथ नवीकरण करते समय 60 कि.ग्रा. की आधुनिक रेलपथ संरचना, 90 अल्टीमेट टेन्सिल स्ट्रेंथ की पटरियां, लोचदार बंधन वाले चौड़े और भारी प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर, पीएससी स्लीपरों पर फैनशेप्ड लेआउट टर्नआउट, गर्डर पुलों पर स्टील चैनल/एच-बीम स्लीपर्स का उपयोग किया जाता है।
ii. टर्नआउट नवीनीकरण कार्यों में थिक वेब स्विच और वेल्ड करने योग्य सीएमएस क्रॉसिंग का उपयोग।
iii. ज्वाइंटों की वेल्डिंग से बचने के लिए 260 मीटर लंबे रेल पैनलों की आपूर्ति को बढ़ाना ताकि संरक्षा बेहतर हो।
iv. पूर्व में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक/बेहतर एसईजे के स्थान पर थिक वेब स्विच एक्सपैंशन ज्वाइंट्स का उपयोग किया जा रहा है।
v. पटरियों के लिए बेहतर वेल्डिंग तकनीक अर्थात फ्लैश बट वेल्डिंग को अपनाना।
vi. रेलपथ अनुरक्षण के लिए उच्च आउटपुट प्लेन टैम्पर और पॉइंटों एवं क्रॉसिंग टैम्पर्स का उपयोग करते हुए मशीनीकृत प्रणाली को अपनाना, ताकि रेलपथ की बेहतर अनुरक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।
vii. परिसंपत्ति विश्वसनीयता में और सुधार लाने के लिए रेल ग्राइंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक आधुनिक मशीनों की तैनाती।
viii. पीक्यूआरएस, टीआरटी, टी-28 आदि जैसी रेलपथ मशीनों के उपयोग के माध्यम से रेलपथ बिछाने की गतिविधियों का यांत्रिकीकरण।
ix. रेल और वेल्ड के परीक्षण के लिए उन्नत फेज़्ड ऐरे तकनीक का उपयोग।
x. इष्टतम अनुरक्षण आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए व्यापक स्थिति मूल्यांकन हेतु एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली और दोलन निगरानी प्रणाली की तैनाती।
xi. यार्डों में रेलपथ मापदंडों की निरंतर रिकॉर्डिंग के लिए पोर्टेबल रेलपथ मापक ट्रॉली को अपनाना।
xii. सटीक अनुरक्षण इनपुट प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्रोतों से प्राप्त रेलपथ निरीक्षण रिकॉर्ड के एकीकरण और डेटा विश्लेषण के लिए वेब सक्षम रेलपथ प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करना।

*****